आईसीएआर-आईवीआरआई, मुक्तेश्वर द्वारा ग्राम सुनकिया में मॉडल ग्राम विकास की दिशा में गोष्ठी-सह-पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (ICAR-IVRI), मुक्तेश्वर के प्रसार शिक्षा अनुभाग द्वारा संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. शेर सिंह के मार्गदर्शन में दिनांक 07 अक्टूबर 2026 को ग्राम सुनकिया में गोष्ठी-सह-पौध वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम क्षेत्र में मॉडल ग्राम के विकास की दिशा में संस्थान द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की एक महत्वपूर्ण कड़ी रहा।

कार्यक्रम का समन्वय डॉ. मनीष तोमर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों एवं किसानों को अमरूद एवं नारंगी के फलदार पौधों का वितरण किया गया तथा इन फसलों की वैज्ञानिक बागवानी, पौध रोपण एवं देखभाल संबंधी आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। किसानों को प्रेरित किया गया कि वे उपलब्ध कृषि भूमि एवं घर के आसपास के क्षेत्रों में फलदार पौधों का अधिक से अधिक रोपण कर बागवानी आधारित आय एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा दें।

इस अवसर पर डॉ. मनीष तोमर ने किसानों को अमरूद एवं नारंगी की वैज्ञानिक खेती, उपयुक्त पौध रोपण तकनीक, पौधों की प्रारंभिक देखभाल, पोषण प्रबंधन तथा पौध संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों को कृषि में रासायनिक आदानों पर अनावश्यक निर्भरता कम करने तथा जैविक एवं प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि फलदार पौधों का व्यवस्थित विकास गांव को भविष्य में एक मॉडल बागवानी ग्राम के रूप में विकसित करने में सहायक हो सकता है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. नितेश खरायत ने किसानों को दुधारू पशुओं के वैज्ञानिक प्रबंधन के संबंध में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की। उन्होंने विशेष रूप से ठंड एवं वर्षा के मौसम में दुधारू पशुओं की देखभाल, पशु आवास की स्वच्छता एवं सुरक्षा, संतुलित आहार, रोगों से बचाव तथा मौसम के प्रतिकूल प्रभावों से पशुओं की सुरक्षा के संबंध में वैज्ञानिक सुझाव दिए। किसानों को समय पर पशु स्वास्थ्य देखभाल एवं निवारक उपाय अपनाने के लिए जागरूक किया गया।

गोष्ठी के दौरान किसानों ने बागवानी, पौधों की देखभाल, जैविक खेती तथा दुधारू पशुओं के स्वास्थ्य एवं प्रबंधन से संबंधित विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों द्वारा मौके पर ही समाधान किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को फसल उत्पादन, बागवानी एवं पशुपालन को एकीकृत करते हुए अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।

यह कार्यक्रम ग्राम सुनकिया को चरणबद्ध रूप से मॉडल ग्राम के रूप में विकसित करने की दिशा में संस्थान की प्रसार गतिविधियों को आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण प्रयास रहा। फलदार पौधों के वितरण एवं वैज्ञानिक तकनीकी मार्गदर्शन के माध्यम से ग्रामीणों को कृषि एवं बागवानी में विविधीकरण तथा अतिरिक्त आय के अवसरों से जोड़ने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए संस्थान के निदेशक डॉ. राघवेंद्र भट्ट ने प्रसार शिक्षा अनुभाग एवं संबंधित टीम के प्रयासों की सराहना की तथा ग्रामीण क्षेत्रों में वैज्ञानिक कृषि, बागवानी एवं पशुपालन तकनीकों के प्रभावी प्रसार के लिए ऐसे कार्यक्रमों को निरंतर आयोजित किए जाने पर बल दिया।